Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report on Press Varta organized at IGNOU LSC-27211, Ram Swaroop Gram Udyog PG College, Pukhraya, Kanpur Dehat

IGNOU Regional Centre, Lucknow has organized **Press Varta IGNOU Learner Support Centre - 27211, Ram Swaroop Gram Udyog PG College, Pukhraya, Kanpur Dehat** on **Friday, 26th April, 2024** about promotion of IGNOU Programmes. Press Varta has been attended by **Dr. Anil Kumar Misra**, Additional Director, **Dr. Nishith Nagar**, Assistant Registrar, IGNOU, Regional Centre, Lucknow, **Dr. Parvat Singh**, Coordinator, **Shri Mukesh Chandra Dwivedi**, Vice Principal and **Shri Prakash Dwivedi,** Manager of the College.

'संस्कृति को सशक्त बना रहा इग्नू'

संवाददाता पुखरायां

अमृत विचार। कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ निशिथ नागर ने शुक्रवार को अध्ययन केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद प्रेस वार्ता में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किए गए अहम बदलाव में से एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना जिससे विद्यार्थियों को एक समय में दो डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। अथवा दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। इग्नू भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एमए, वैदिक गणित में एमए, हिंदू स्टडी में एमए, संस्कृत में एमए, पर्यावरण तथा पत्रकारिता में एमए, पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित हैं। इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने एवम रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कोर्स संचालित है इसी तरह स्नातक स्तर पर बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम, 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन ,बैचलर ऑफ कंप्यूटर साइंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस, बैचलर ऑफ बायोकेमेस्ट्री, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया ,बैचलर ऑफ टूरिज्म, बैचलर ऑफ सोशल वर्क सहित अनेक ऐसे कोर्स हैं। जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध उपलब्ध कराता है। इस मौके पर महाविद्यालय के प्रबंधक श्री प्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रोआर पी चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्य प्रो मुकेश चंद्र द्विवेदी ,प्रोफेसर सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डॉ पर्वत सिंह ,डॉ हरीश कुमार सिंह, डॉ के के सिंह, डॉ रमणीक श्रीवास्तव, डॉ रविंद्र सिंह, डॉ निधि अग्रवाल, डॉ अंशुमन उपाध्याय, डॉ इदरीस खान, डॉ शिव नारायण यादव, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

जानकारी देते निदेशक। अमृत विचार

भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए इग्नू प्रतिबद्ध: अनिल मिश्रा

इग्नू अध्ययन केन्द्र में जानकारी देते अपर निदेशक डा.अनिल कुमार मिश्रा मौजूद हैं प्रबंधक श्रीप्रकाश द्विवेदी, पूर्व प्राचार्य डा.मुकेशचन्द्र द्विवेदी, समन्वयक डा.पर्वत सिंह।

पुखरायां,२६अप्रैल। पुखरायां कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय पुखरायां संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डा.अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डा. निशिथ नागर ने अध्ययन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया।

आरएसजीपू महाविद्यालय में संचालित इग्नू के अध्ययन केन्द्र में मौजूद डा.अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किए गए अहम बदलाव में से एक जिसमें एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना जिससे विद्यार्थियों को एक समय में २ डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं अथवा दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। इग्नू में भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एमए, वैदिक गणित में एमए, हिंदू स्टडी में एमए, संस्कृत में एमए, पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित हैं। इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने एवं रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कोर्स संचालित हैं। इग्नू में अनेक ऐसे कोर्स हैं जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है। इग्नू अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग, इंटर्नशिप आदि के अवसर उपलब्ध कराता है। इग्नू द्वारा विशेष रूप से अग्नि वीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इग्नू जब चाहो तब प्रवेश के आधार पर विद्यार्थियों को सामान्य कार्यक्रम प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इग्नू में ३० लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इग्नू का उद्देश्य दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचाना है। विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइट इग्नू.एसी.इन पर जाकर ई-ज्ञान को सर्च कर अध्ययन से संबंधित अनेक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर महाविद्यालय के प्रबंधक श्रीप्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रो.आरपी चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्य प्रो. मुकेशचंद्र द्विवेदी, प्रोफेसर सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डा.पर्वत सिंह, डा.हरीश कुमार सिंह, डा.के.के सिंह, डा.रमणीक श्रीवास्तव, डा.रविंद्र सिंह, डा. निधि अग्रवाल, डा.अंशुमन उपाध्याय, डा.इदरीस खान, डा.शिवनारायण यादव, आशीष कुमार आदि भी मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए इग्नू प्रतिबद्ध : डॉ अनिल कुमार मिश्रा

झाँसी (बीपीएन टाइम्स)। पुखरायां कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय पुखरायां कानपुर देहात में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ निशिथ नागर ने अध्ययन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा पत्रकार वार्ता करते हुए डॉ अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किए गए अहम बदलाव में से एक जिसमे एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना जिससे विद्यार्थियों को एक समय में 2 डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं अथवा दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इग्नू भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एम ए, वैदिक गणित में एम ए, हिंदू स्टडी में एम ए, संस्कृत में एम ए,पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित हैं इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने एवम रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कोर्स संचालित है इसी तरह स्नातक स्तर पर बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम, 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन ,बैचलर ऑफ कंप्यूटर साइंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस, बैचलर ऑफ बायोकेमेस्ट्री, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया ,बैचलर ऑफ टूरिज्म, बैचलर ऑफ सोशल वर्क सहित अनेक ऐसे कोर्स हैं जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध उपलब्ध कराता है इग्नू अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग ,इंटर्नशिप आदि के अवसर उपलब्ध कराता है। इग्नू द्वारा विशेष रूप से अग्नि वीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इग्नू जब चाहो तब प्रवेश के आधार पर विद्यार्थियों को सामान्य कार्यक्रम प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इग्नू में 30 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्यनरत है। इग्नू का उद्देश्य दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचना है विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइट पहदवन.ंब.पद पर जाकर ई-ज्ञान को सर्च कर अध्ययन से संबंधित अनेक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं इसअवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक प्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रोआर पी चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्य प्रो मुकेश चंद्र द्विवेदी ,प्रोफेसर सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डॉ पर्वत सिंह ,डॉ हरीश कुमार सिंह, डॉ के के सिंह, डॉ रमणीक श्रीवास्तव, डॉ रविंद्र सिंह, डॉ निधि अग्रवाल, डॉ अंशुमन उपाध्याय, डॉ इदरीस खान, डॉ शिव नारायण यादव, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

दूरस्थ शिक्षा में नहीं है सीमा एक साथ ले सकते दो डिग्री

इग्नू से ज्योतिष, वैदिक गणित, हिंदू स्टडी आदि का भी कर सकते कोर्स

संवाद न्यूज एजेंसी।

जानकारी देते इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के प्रबंधक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा। संवाद

पुखरायां। विद्यार्थी चाहे तो एक समय में दो डिग्री प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें एक संस्थागत तो दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से है। दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही शिक्षा के अधिकार के तहत व्यक्ति जब चाहे तब दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी इच्छा के अनुसार शिक्षा, डिप्लोमा प्राप्त कर सकता है। यह जानकारी इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक ने दी।

आरएसजीयू पीजी कॉलेज पुखरायां में संचालित अध्ययन केंद्र का इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के अपर निदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ. निशिथ नागर शुक्रवार को निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। निरीक्षण के बाद जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिसमें एक साथ दो पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने की अनुमति प्रदान करना भी शामिल है।

भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए ज्योतिष, वैदिक गणित, हिंदू स्टडी, संस्कृत में एमए आदि कोर्स हैं। नर्सिंग में स्नातक के साथ बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम हैं। अग्निवीर सैनिकों के लिए पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा पहुंचे और स्वयं प्रगति पथ बढ़ें इसका यही उद्देश्य है। इस मौके पर महाविद्यालय के प्रबंधक श्रीप्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आरपी चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर मुकेश चंद्र द्विवेदी, प्रोफेसर सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डॉ. पर्वत सिंह, डॉ. हरीश कुमार सिंह, डॉ. केके सिंह आदि मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए इग्नू प्रतिबद्ध - डॉ. अनिलकुमार मिश्र

तस्वीर आजकल ब्यूरो

पुखरायां (कानपुर देहात)। स्थानीय रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ. अनिलकुमार मिश्र एवं सहायक कुलसचिव डॉ. निशिथ नागर ने अध्ययन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा पत्रकार वार्ता करते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किए गए अहम बदलाव में से एक जिसमें एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना, जिससे विद्यार्थियों को एक समय में 2 डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं अथवा दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। इग्नू भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एम ए, वैदिक गणित में एम ए, हिंदू स्टडी में एम ए, संस्कृत में एम ए, पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित हैं। इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने एवं रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कोर्स संचालित है। इसी तरह स्नातक स्तर पर बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम, 4-वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ कंप्यूटर साईंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साईंस, बैचलर ऑफ बायोकेमेस्ट्री, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया, बैचलर ऑफ टूरिज्म, बैचलर ऑफ सोशल वर्क सहित अनेक ऐसे कोर्स हैं जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध उपलब्ध कराते हैं। इग्नू अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग, इंटर्नशिप आदि के अवसर उपलब्ध कराता है। इग्नू द्वारा विशेष रूप से अग्निवीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इग्नू जब चाहो तब प्रवेश के आधार पर विद्यार्थियों को सामान्य कार्यक्रम में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इग्नू में 30 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्यनरत है। इग्नू का उद्देश्य दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचना है। विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइट इइठ्ठमइइ्रुइठ्ठ पर जाकर ई-ज्ञान को सर्च कर अध्ययन से संबंधित अनेक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसअवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक श्रीप्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रोफेसर आर पी चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर मुकेशचंद्र द्विवेदी, प्रोफेसर सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डॉ. पर्वतसिंह, डॉ. हरीशकुमार सिंह, डॉ. के के सिंह, डॉ. रमणीक श्रीवास्तव, डॉ. रविंद्रसिंह, डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. अंशुमन उपाध्याय, डॉ. इदरीस खान, डॉ. शिवनारायण यादव, आशीषकुमार आदि मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए इग्नू प्रतिबद्धः डॉ मिश्रा

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

पत्रकारों से वार्ता करते महाविद्यालय के लोग

भोगनीपुर कानपुर देहात। पुखरायां कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय पुखरायां कानपुर देहात में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ निशिथ नागर ने अध्ययन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। पत्रकार वार्ता करते हुए डॉ अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किए गए अहम बदलाव में से एक जिसमे एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना जिससे विद्यार्थियों को एक समय में 2 डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। अथवा दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। इग्नू भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एम ए, वैदिक गणित में एम ए, हिंदू स्टडी में एम ए, संस्कृत में एम ए,पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित हैं।

इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने एवम रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कोर्स संचालित है। इसी तरह स्नातक स्तर पर बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम, 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन,बैचलर ऑफकंप्यूटर साइंस, बैचलर ऑफ़लाइब्रेरी साइंस, बैचलर ऑफ़ बायोकेमेस्ट्री, बैचलर ऑफ़ जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया,बैचलर ऑफ़टूरिज्म, बैचलर ऑफसोशल वर्क सहित अनेक ऐसे कोर्स हैं। जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध उपलब्ध कराता है। इग्नू अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग,इंटर्नशिप आदि के अवसर उपलब्ध कराता है। इग्नू द्वारा विशेष रूप से अग्नि वीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है इग्नू जब चाहो तब प्रवेश के आधार पर विद्यार्थियों को सामान्य कार्यक्रम प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इग्नू में 30 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्यनरत है। इग्नू का उद्देश्य दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचना है। विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइट पहदवन.ंब.पद पर जाकर ई-ज्ञान को सर्च कर अध्ययन से संबंधित अनेक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक श्री प्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रोआर पी चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्य प्रो मुकेश चंद्र द्विवेदी,प्रोफेसर सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डॉ पर्वत सिंह ,डॉ हरीश कुमार सिंह, डॉ के के सिंह, डॉ रमणीक श्रीवास्तव, डॉ रविंद्र सिंह, डॉ निधि अग्रवाल, डॉ अंशुमन उपाध्याय, डॉ इदरीस खान, डॉ शिव नारायण यादव, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा दे रहा इग्नू: डा. अनिल

संवाद सहयोगी, जागरण • भोगनीपुर : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं को आनलाइन व आफलाइन काउंसिलिंग और इंटर्नशिप के माध्यम से विदेशी भाषाओं के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा दे रहा है। यह जानकारी आरएसजीयू परास्नातक महाविद्यालय पुखरायां में आयोजित पत्रकार वार्ता में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपरनिदेशक डा. अनिल कुमार मिश्रा ने दी।

उन्होंने बताया कि इग्नू के माध्यम से छात्र-छात्राएं संस्थागत और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए एमए वैदिक गणित, हिंदू स्टडी, संस्कृत, पर्यावरण तथा पत्रकारिता जैसे कोर्सों में प्रवेश लेकर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इग्नू स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सेवा देने के लिए नर्सिंग में स्नातक के अतिरिक्त डिप्लोमा व प्रमाण पत्र कोर्स संचालित कर रहा है। स्नातक स्तर पर बहुविषय स्नातक डिग्री प्रोग्राम, चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक आनर्स डिग्री प्रोग्राम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर आफ कंप्यूटर साइंस, लाइब्रेरी साइंस, बायो केमिस्ट्री, जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया, टूरिज्म सहित कई कोर्स संचालित कर अपने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ ही रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है और जर्मन व फ्रेंच आदि विदेशी भाषाओं में पारंगत कर रहा है। वार्ता में महाविद्यालय के प्रबंधक श्रीप्रकाश द्विवेदी, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर मुकेशचंद्र द्विवेदी, इग्नू समन्वयक डा. पर्वत सिंह, संजय सिंह मौजूद रहे।

वार्ता करते इग्नू के अपर निदेशक अनिल कुमार मिश्रा (बाएं से दूसरे) • जागरण

भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए इग्नू प्रतिबद्ध - डॉ अनिल मिश्रा

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

पुखरायां कानपुर देहात। कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ निशिथ नागर ने अध्ययन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। वार्ता करते हुए डॉ अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किए गए अहम बदलाव में से एक जिसमे एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना जिससे विद्यार्थियों को एक समय में 2 डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं अथवा दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। इग्नू भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एम ए, वैदिक गणित में एम ए, हिंदू स्टडी में एम ए, संस्कृत में एम ए,पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित हैं इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने एवम रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कोर्स संचालित है इसी तरह स्नातक स्तर पर बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम, 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम,बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन ,बैचलर ऑफ कंप्यूटर साइंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस, बैचलर ऑफ बायोकेमेस्ट्री, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया, बैचलर ऑफ टूरिज्म, बैचलर ऑफ सोशल वर्क सहित अनेक ऐसे कोर्स हैं जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध उपलब्ध कराता है इग्नू अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग, इंटर्नशिप आदि के अवसर उपलब्ध कराता है। इग्नू द्वारा विशेष रूप से अग्नि वीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है इग्नू जब चाहो तब प्रवेश के आधार पर विद्यार्थियों को सामान्य कार्यक्रम प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इग्नू में 30 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्यनरत है। इग्नू का उद्देश्य दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचना है विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइटॅल्लङ्ख४ॅल्ल पर जाकर ई-ज्ञान को सर्च कर अध्ययन से संबंधित अनेक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं इसअवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक श्रीप्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रोआर पी चतुवेर्दी, पूर्व प्राचार्य प्रो मुकेश चंद्र द्विवेदी ,प्रोफेसर सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डॉ पर्वत सिंह ,डॉ हरीश कुमार सिंह, डॉ के के सिंह, डॉ रमणीक श्रीवास्तव, डॉ रविंद्र सिंह, डॉ निधि अग्रवाल, डॉ अंशुमन उपाध्याय, डॉ इदरीस खान, डॉ शिव नारायण यादव, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए इग्नू प्रतिबद्ध : डॉ. अनिल

पुखरायां (एसएनबी)। कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के अपर निदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ. निशिथ नागर जी ने अध्ययन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया।

उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किए गए अहम बदलाव में से एक है जिसमे एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना जिससे विद्यार्थियों को एक समय में 2 डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते है अथवा दोनों डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। इग्नू भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एमए, वैदिक गणित में एमए, हिंदी स्टडी में एमए, संस्कृत में एमए, पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित है इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने व रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कोर्स संचालित है।

इसी तरह स्नातक स्तर पर बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम, 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ कंप्यूटर साइंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस, बैचलर ऑफ बायोकेमेस्ट्री, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया, बैचलर ऑफ टूरिज्म, बैचलर ऑफ सोशल वर्क सहित अनेक ऐसे कोर्स है जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है इग्नू अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग, इंटर्नशिप आदि के अवसर उपलब्ध कराता है। इग्नू द्वारा विशेष रूप से अग्नि वीर सैनिकों के लिए कौशल आधारित स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इग्नू जब चाहो तब प्रवेश के आधार पर विद्यार्थियों को सामान्य कार्यक्रम प्रवेश के लिए किसी प्रकार की न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इग्नू में 30 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्यनरत है। इग्नू का उद्देश्य दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उच्च एवं कौशल विकास आधारित शिक्षा को पहुंचना है विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइट पर जाकर ईज्ञान को सर्च कर अध्ययन से संबंधित अनेक जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस दौरान महाविद्यालय के प्रबंधक श्रीप्रकाश द्विवेदी, प्राचार्य प्रो. आरपी चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्य प्रो. मुकेश चंद्र द्विवेदी, प्रो. सविता गुप्ता, इग्नू समन्वयक डॉ. पर्वत सिंह, डॉ. हरीश कुमार सिंह, डॉ. केके सिंह, डॉ. रमणीक श्रीवास्तव, डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. अंशुमन उपाध्याय, डॉ. इदरीस खान, डॉ. शिव नारायण यादव, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

पुखरायां : पत्रकारों से वार्ता करते इग्नू के अपर निदेशक। फोटो : एसएनबी

अपने पाठ्यक्रमों के जरिए इग्नू कर रहा भारतीय संस्कृति को सशक्तः डॉ.एके मिश्र

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर

कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय पुखरायां कानपुर देहात में संचालित इंदिरा गांधी राष्टीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र का अपर निदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा एवं सहायक कुलसचिव डॉ. निशिथ नागर ने आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद पत्रकार वार्ता करते हुए डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कुछ अहम बदलाव किये गए हैं। जिसमें एक साथ दो पाठ्यक्रमों को करने की अनुमति प्रदान करना खास है।

विश्व विद्यालयों के अध्ययन केंद्र पर विद्यार्थियों को एक समय में दो डिग्री में प्रवेश लेने का अवसर प्राप्त हो सकेंगे। विद्यार्थी चाहे तो एक संस्थागत जबकि दूसरी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं अथवा दोनों ही डिग्री दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए इग्नू में तमाम ऐसे कोर्स जैसे ज्योतिष में एम ए, वैदिक गणित में एम ए, हिंदू स्टडी में एम ए, संस्कृत में एम ए, पर्यावरण तथा पत्रकारिता से संबंधित अनेक कोर्स संचालित हैं। इसी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र सेवा देने एवम् रोजगार के अवसर के लिए नर्सिंग में स्नातक के अलावा अनेक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कोर्स संचालित हैं।

इसी तरह स्नातक स्तर पर बहु विषयक स्नातक डिग्री प्रोग्राम, चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, स्नातक ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन ,बैचलर ऑफ कंप्यूटर साइंस, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस, बैचलर ऑफ बायोकेमेस्टी, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड डिजिटल मीडिया ,बैचलर ऑफ टूरिज्म, बैचलर ऑफ सोशल वर्क सहित अनेक ऐसे कोर्स हैं जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है।

- Senior Regional Director